

\* वाक्य :- शब्द, शब्दों या वाक्यांशों का वह सार्थक व व्यवस्थित समूह जो एक पूर्ण भाव को प्रकट करे, उसे वाक्य कहते हैं।

→ निम्नलिखित वाक्यों की ध्यानपूर्वक पढ़िए :-

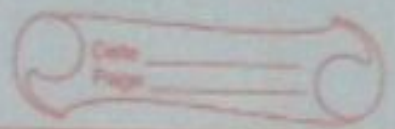
१. आप कौन हैं ?
२. कमल तो धरं पर नहीं है।
३. आपका नाम क्या है ?
४. मैं पत्र लिख रहा हूँ।

उपर्युक्त वाक्यों के कारण आपसी बातचीत संभव हुई है। दोनों की बातें वाक्यों के कारण ही समझ में आती हैं, वर्ण या शब्दों से नहीं।

→ शब्द समूह

वाक्य

१. दूध है देती  
गाय हमको
- 
- गाय हमको  
दूध देती है।



२. है भौंकता रात → कुत्ता रात को  
कुत्ता को भौंकता है।

\* वाक्य के अंग :-  
वाक्य के निम्नलिखित  
दो अंग होते हैं :-

१. उद्देश्य → जिसके बारे में जो कुछ कहा  
जाता है अथवा जिसका वर्णन किया  
जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं।

२. विधेय → उद्देश्य के बारे में जो कुछ  
कहा जाता है अथवा उसका जो  
कुछ भी वर्णन किया जाता है, उसे  
विधेय कहते हैं।

	उद्देश्य	विधेय
१.	विमल ने	खाना खाया
२.	सुलेखा	बाजार गयी है।
३.	तुम	इधर आओ
४.	सीता	पत्र लिखती है।

\* सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (X) का चिह्न लगाएँ :-

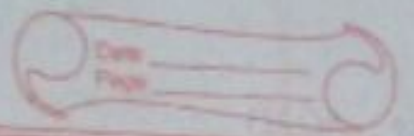
- 1. मैं खाना खा रहा हूँ। (✓)
- 2. जाना मुझे पता नहीं कहाँ है। (X)
- 3. तुम्हारा नाम क्या है? रहना यहाँ पर नहीं है मुझे। (✓)
- 4. आपकी आयु क्या है? (X)
- 5. (✓)

\* निम्नलिखित शब्द समूहों को व्यवस्थित करके एक सार्थक वाक्य बनाएँ :-

1. है वह रहा जा  
=> वह जा रहा है।

2. रहते हम हैं यहाँ  
=> हम यहाँ रहते हैं।

3. है आम होता मीठा  
=> आम मीठा होता है।



8. आओ इधर  
⇒ इधर आओ ।

9. भगवान सब जगह  
⇒ भगवान सब जगह हैं ।

10. राष्ट्रीय मोर पक्षी हमारा  
⇒ हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर है ।

11. देती है गाय हमें दूध  
⇒ गाय हमें दूध देती है ।

12. को माता - पिता करो प्रणाम  
⇒ माता - पिता को प्रणाम करो ।

13. स्कूल जाओ तुम रोज  
⇒ तुम रोज स्कूल जाओ ।

14. राए आ हैं पिता जी  
⇒ पिता जी आ राए हैं ।